

र

देवनागरी वर्णमाला में सत्ताइसवाँ व्यंजन तथा अंतस्थ य, र, ल, व, ह में दूसरा व्यंजन।

रंक वि. (तत्.) 1. निर्धन, दरिद्र, गरीब, रंक 2. कृपण, कंजूस 3. सुस्त 4. अधम 5. अभागा 6. दयनीय
रुं. पुं. 1. निर्धन व्यक्ति, गरीब आदमी, धनहीन 2. मंथर, मंदभाग्य 3. भूखा, क्षुधार्त, भुखमरा।

रंकु पुं. (तत्.) 1. हिमालय अथवा अन्यत्र पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाने वाला जंगली बकरा जिसके सींग लंबे, नोकदार तथा मुड़े हुए होते हैं 2. हिरण, कुरंग, कृष्णसार, मृग।

रंग पु. (तद्.) 1. जिससे रंगा जाए, रोगन, वर्णक, लाल, पीला, हरा आदि कोई वर्ण 2. रासायनिक विधि से बनाया जाने वाला या हो जाने वाला कोई पदार्थ जिससे कोई वस्तु रंगी जा सकती है 3. शरीर का ऊपरी वर्ण 4. नृत्य, अभिनय, नाटक आदि करने का स्थान, नाट्यघर, नृत्यशाला 5. नाटक आदि के दर्शकों या श्रोताओं का समाज, सार्वजनिक आमोद स्थली 6. नृत्य, अभिनय, दशा 7. सभा स्थल, सभा का स्थान 8. क्रीड़ा, खेल-तमाशा, लीला, कौतुक, मनोरंजन, मौज-मस्ती, शरारत 9. सौंदर्य, शोभा, छवि, बदन और चेहरे की रंगत, आकर्षण 10. प्रेम, प्रणय, अनुराग; आमोद-प्रमोद, भोग-विलास 11. यौवन, तरुणार्थ, जवानी, मन की उमंग या तरंग 12. प्रभाव असर, धाक, रोब, अद्भुत कार्य या दृश्य 13. उत्साह, प्रसन्नता, कृपा, दया 14. प्रकार, तरह, किस्म 15. राँगा नामक धातु, टिन 16. चौपड़ की गोटियों के दो कृत्रिम विभागों में से एक।

रंगक्षेत्र पुं. (तत्.) अभिनय करने का स्थान, रंग स्थल, उत्सव या समारोह का स्थान, रंगभूमि।

रंगचित्र पुं. (तत्.) तूलिका अर्थात् ब्रश द्वारा बनाया गया रंगीन चित्र painting

रंगज वि. (तत्.) रंग से बना हुआ, रंग से उत्पन्न।

रंग-ढंग पु. (देश.) 1. गतिविधि, चाल-ढाल, आचरण, व्यवहार आदि का प्रकार, स्वरूप और कार्य प्रणाली, दशा, हालत, हालचाल 2. तौर-तरीका, लक्षण।

रंगतरा पुं. (देश.) एक प्रकार की बड़ी और मीठी नारंगी, संतरा।

रंगतोरण पुं. (तत्.) नाट्यगृहों आदि में रंगमंच को दर्शकों एवं श्रोताओं से अलग करने वाला मुख्य परदा जिसमें प्रायः ऊपर एक चापनुमा स्थिर परदा और उसके नीचे मुख्य परदा होता है जो खुलता या बंद होता है।

रंगदानी स्त्री (देश.) वह प्याली या पात्र जिसमें चित्रकार आदि काम करते समय विभिन्न रंग रखते हैं, रंगपात्र।

रंगदार वि. (फा.) रंगवाला, रँगा हुआ, रंजित, रंगीन
पुं. वह गुंडा या बदमाश जो धौंस-पट्टी दिखाकर, डरा-धमका कर, जबरदस्ती धन वसूलता है।

रंगदीप्त वि. (तत्.) 1. इंद्रधनुष की तरह सतरंगी या बहुभासी वर्ण 2. अनेक रंगों से दीप्त अथवा प्रकाशवान जैसा साबुन के बुलबुलों या कुछ मोतियों आदि में होता है।

रंगदीप्ति स्त्री. (तत्.) 1. बहुवर्णी छटा, इंद्रधनुष, वर्णच्छटा 2. बहुवर्णी छटा या इंद्रधनुषी रंग देने की क्रिया या भाव।

रंगद्वार पु. (तत्.) 1. रंगमंच का प्रवेश-द्वार 2. नाटक का मंगलाचरण, नांदीपाठ या प्रस्तावना।

रंगपंचमी पु. (तत्.) होली से पहले रंग खेलना प्रारंभ करने की तिथि, फाल्गुन कृष्ण पंचमी।

रंगपट्टिका स्त्री. (तत्.) यूरोपीय पुनर्जागरण काल में चीनी मिट्टी या काँच का बना वह पात्र जिसमें कलाकार अपने रंगों को मिलाता था, मिस्र के राजवंशीय काल (3,000 ई.पू. के आस-पास) में रंग और प्रसाधन-सामग्री को पीसने की सिल।

रंगपात्र पुं. (तत्.) वह पात्र जिसमें चित्रकार या पेंटर आदि काम करते समय विभिन्न रंग रखते हैं, रंगदानी।